ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र, संगरिया

ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया

जिला हनुमानगढ़ के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह बुलेटिन

बुलेटिन नं. : 2022/57

☎01499-252702

मौसम पूर्वानुमान

kvksangariahmh@gmail.com

दिनांक : 19.07.2022 वैधता : 23.07.2022

गत सप्ताह का मौसम (12 जुलाई 2022 से 18 जुलाई 2022)

दिन का अधिकतम तापमान 30.7 से 38.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 16.8 से 28.7 डिग्री सेल्सियस रहा। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 4.39 घंटे प्रतिदिन धूप खिली रही। सप्ताह के दौरान क्षेत्र में बादलों की आवाजाही के साथ बिखरे तौर पर कहीं–कहीं बारिश की गतिविधियां दर्ज हुई।

मौसम कारक	19.07.2022	20.07.2022	21.07.2022	22.07.2022	23.07.2022
वर्षा (मिलीलीटर)	2	5	19	16	11
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	37	35	33	31	30
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	28	26	25	25	26
आकाश में बादल की स्थिति	4	4	8	8	8
अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	53	58	61	65	69
न्यूनतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	37	35	40	46	46
हवा की गति किमी/घंटा	18	22	19	8	8
हवा की दिशा	पश्चिम	दक्षिण पश्चिम	दक्षिण दक्षिण पश्चिम	दक्षिण पूर्व	पूर्व दक्षिण पूर्व
विशेष	20, 21, 22, 23 जुलाई को मेघगर्जन तथा आकाशीय बिजली के साथ बिखरे तौर पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार है।				

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

मौसम सारांश		पूर्वानुमान के अनुसार, जिला हनुमानगढ़ में आगामी दिनों में 23 जुलाई तक परिवर्तनशील मौसम का अनुमान है। आगामी दिनों में क्षेत्र में अधिकांश रूप से बादल छाए रहने के साथ अलग–अलग हिस्सों में 20, 21, 22, 23 जुलाई को मेघगर्जन तथा आकाशीय बिजली के साथ बिखरे तौर पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार है। कम एरिया या एक–दो जगहों पर मूसलाधार बारिश हो सकती है। पांच दिनों मे अधिकतम तापमान 30.0 से 37.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता 35–69 प्रतिशत हो सकती है। हवा की औसत गति 8.0 से 22.0 किमी प्रति घंटे हो सकती है।
सामान्य सलाह		भारी वर्षा या पानी भरने की स्थिति में सीवरेज, गटर, नालियों से दूर रहे। बिजली और गैस कनेक्शन बंद रखे। आपातकालीन किट, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, कीमती समान और महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने पास रखे। मवेशियों / जानवरों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा चारे सुनिश्चित करें। खेत से अतिरिक्त पानी बाहर निकाले। संभावित मौसम को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्य जैसे– छिड़काव, बिजाई, सिंचाई करें।
फसल	अवस्था	कृषि सलाह
बी.टी. कपास		वर्तमान मौसम की स्थिति सफेद मक्खी के लिए अनुकूल है। किसान भाई सुबह के समय खेत का निरीक्षण करें और पौधे की पतियों निचली सतह पर सफेद अंडाकार या सफेद मोम के फूल से ढके पीले शरीर वाले छोटे निम्फ दिखाई दे सकते है। पत्ती की ऊपरी सतह पर संख्या 8–12 आर्थिक नुकसान स्तर तक पाए जाने पर रोकथाम के लिए नीम युक्त 5 मिली + तरल साबुन 1 मिली या फ्लॉनिकामिड 50% डब्ल्यू जी 0.30 ग्राम या स्पाइरोमेसिफेन 22.90% एस सी 1.20 मिली प्रति लीटर पानी की दर से मौसम साफ़ होने पर छिड़काव करें। थ्रिप्स के प्रकोप के लिए फसल की लगातार निगरानी रखें। थ्रिप्स की रोकथाम के लिए थायोमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी 50 ग्राम या

		स्पाईनेटोरान 11.7 एस सी 100 मिली मात्रा प्रति 100 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। पत्ता मरोड़ या लीफ कर्ल रोग के लक्षण ऊपर की पत्तियों में सबसे पहले आते है। पत्तियां धीरे –धीरे प्यालेनुमा हो जाती है। रोकथाम के लिए स्ट्रेप्टोसाइक्लीन 5–10 ग्राम या प्लाटोमाइसीन या पोसामाइसीन 50–100 ग्राम + कॉपरऑक्सीक्लोराइड (0.3%) 300 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
कपास	गुलाबी सुंडी	किसान भाई गुलाबी सुंडी की उपस्थिति और नुकसान का निरीक्षण लगातार करते रहे। अगर आर्थिक नुकसान स्तर 10% तक क्षतिग्रस्त टिंडे (सफेद या गुलाबी लार्वा वाले 20 में से कम से कम दो टिंडे) दिखाई देने पर ईमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 5 ग्राम या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी 5 मिली या प्रोफेनोफोस 50 ईसी 30 मिली प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
धान	रोपाई	धान की फसल में बिकानी रोग के नियंत्रण के लिए पौध की जड़ को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से 6 घंटे तक डुबोकर रोपाई करें। धान की रोपाई के बाद 15 दिनों तक खेत में 4–5 सेमी पानी खड़ा रखें। इसके लिए समय–समय पर सिंचाई करते रहे। नील हरित शैवाल का एक पैकेट प्रति एकड़ प्रयोग उन्ही खेतो में करे जहां पानी खड़ा रहता हो, ताकि मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाई जा सके।
मूंगफली	कॉलर रोट	खड़ी फसल में सन्धि विगलन रोग (कॉलर रोट) की रोकथाम के लिए प्रोपिकोनाजोल 25 % ई सी या हैक्जाकोनाजोल 5 % ई सी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी का मृदा निक्षेप या सिंचाई पानी के साथ 200 मिली प्रति बीघा की दर से देवें।
ग्वार	बिजाई	ग्वार की फसल में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार तथा तांदला के नियंत्रण के लिए इमेजाथाईपर 10 % एस एल सक्रिय तत्व 40 ग्राम या व्यापारिक उत्पाद 400 ग्राम मात्रा को 400–500 लीटर पानी में प्रति हैक्टर कीू दर से घोल बनाकर बुवाई के 30–35 दिन बाद छिड़काव करें। छिड़काव के दौरान मिट्टी में उचित नमी होना जरूरी है। किसान भाई ध्यान रखे की इस खरपतवारनासी द्वारा उपचारित खेत में आगामी रबी मौसम में सरसों की बुवाई करने पर उसकी अंकुरण क्षमता प्रभावित हो सकती है।
मूंग	बिजाई	मूंग की बिजाई के लिए सिफारिश किस्मे– एम एच–421, आईपीएम 02–3, सत्या (एम एच 2–15), एस एम एल–668, के 851, एम यू एम 2, गंगोत्री (गंगा–8) का प्रयोग कर सकते है। बीजदर 4 से 5 किलो प्रति बीघा प्रयोग करे। एस एम एल–668 के लिए 5 से 6 किलो बीजदर प्रयोग करे। कतार से कतार की दुरी 30 सेमी रखे। मूंग की फसल में रसायनों द्वारा खरपतवार नियंत्रण के लिए ट्राई फ्लूरालीन (48 प्रतिशत ईसी) नामक खरपतवार नाशी 400 मिली दवा को 150 लीटर पानी में घोलकर प्रति बीघा में बुवाई से पूर्व अंतिम जुताई के समय मिट्टी में छिड़ककर मिलाएं।
बाजरा	बिजाई	बाजरा की बिजाई के लिए उपयुक्त समय है। बाजरा बिजाई के लिए सिफारिश की गई किस्में– एच एच बी–67, राज–171(एम पी–171), आई सी एम एच– 356, एमएच–169, आर एच बी–121, सी जेड पी– 9802, जी एच बी–538, एच एच बी–67–2, जी एच बी–719, आई सी टी पी–8203, एच एच बी–60, आर एच बी–90, पूसा–605 का उपयोग करें। सामान्यतया 4 किलो बाजरे का प्रमाणित बीज प्रति हेक्टेयर बोये एवं कतार से कतार की दूरी 45 से 60 सेंटीमीटर रखते हुए पौधो की संख्या 1.33 लाख प्रति हेक्टेयर रखें।
किन्नू		बागों में लीफ माइनर, सिट्रससिल्ला एवं रेड स्पाइडर माइट, तंबाकू का लट आदि के रोकथाम के लिए ट्राईजोफॉस 40 ईसी. 2.5 मिली. या क्विनालफॉस 25 ईसी. 1.50 मिली. या थायोमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी. 0.50 मिली. या एसिटामाप्रिड 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। नये बाग लगाने के लिए पहले से तैयार गड्ढों में पौधे लगाने का उपयुक्त समय है।
पशुपालन		वर्तमान में पशुओं में लम्पी स्किन विषाणु जनित रोग का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे पशु के सम्पूर्ण शरीर की चमड़ी पर गांठे बनती है। जिनमे मवाद बनने लग जाती है। इससे पशु को बुखार आता है। यह रोग चिचड़ी, जू, मक्खी, मच्छर से फैलता है। संक्रमित पशु को स्वस्थ पशु से अलग रखे। गांठे फटने पर एंटीसेप्टिक घोल जैसे– टिंचर, बीटाडीन इत्यादि से साफ़ करें। उचित उपचार और रोकथाम हेतु नजदीकी चिक्त्सिक की सलाह लेवें।
मुर्गी पालन		मुर्गियों में रानी खेत रोग होने का खतरा रहता है। इसके लिए पहला टीका एफ–1 सात दिनों के अंदर लगवा लें और दूसरा आर–2–बी का टीका 8 सप्ताह की उम्र में लगवाएं। नवंबर माह में अंडे

		प्राप्त करने के लिए मुर्गियों के चूजे पालने के लिए यह उपयुक्त समय है। अतः मुर्गीशाला की सफाई करके चूजे पालना शुरू करें वह सही ब्रूडिंग करें।

किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे मौसम की दैनिक अपडेट के लिए अपने मोबाइल में मेघदूत और आकाशीय बिजली के अलर्ट हेतु दामिनी एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

स्रोत :– मौसम पूर्वानुमान – क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर

तकनीकी अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

डॉ. अनुप कुमार
नोडल अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

Save Water, Save Environment, Save Earth